Ayushman Mishra

अक्षांश

- किसी स्थान की भूमध्य रेखा से उत्तर व दक्षिण की ओर पृथ्वी के केन्द्र पर बनने वाली कोणात्मक दूरी को उस स्थान का अक्षांश कहते हैं।
- पूर्व-पश्चिम दिशा में वृत्तीय रेखाएँ है।
  सबसे वृहत्तम वृत्त भूमध्यरेखा
- समांतर रहती है।
  ध्रुवें एक बिंदु है 90° N/S
- कुल सं. → 179
- 23½° N → कर्क　66½° N → आर्कटिक वृत्त
  23½° S → मकर　66½° S → अंटार्कटिक वृत्त
- भूमध्य रेखा लंबाई (वृत्तीय)
  40,000 km, 24900 mile
- उत्तर की ओर (भूमध्यरेखा से) अक्षांशों की बीच की दूरी बढ़ती है।
  0° → 110 km

देशान्तर

- प्रत्येक याम्योत्तर के सापेक्ष कोणीय दूरी है
- अर्द्धवृत्त होती है
- उत्तर-दक्षिण दिशा में
- कुल संख्या = 360
- दो देशान्तर रेखा मिलकर एक वृहद वृत्त बनाते हैं
- 0° ग्रीनविच लाइन
  प्राइम मेरिडियन
- 0° → PM
  1° → 179° E/W
  180° → अन्त० तिथि रेखा
  [0°, 180° कोई दिशा नहीं लिखी जाती]

Scanned By Scanner Go

Scanned By Scanner Go

Ayushman Mishra

- अक्षांशो का 60 मिनट 60 से० के उपविभाग

- अक्षांश → किसी स्थान पर केन्द्र से कोण का मान
अक्षांश रेखा → समान अक्षांशों को मिलाने वाली रेखा

- तापमान, सूर्यताप प्राप्ति को निर्धारित करती है।

- विषुवत पर दो देशान्तरों के बीच की दूरी सर्वा० 111 KM ध्रुवों की ओर जाने पर घटती है।

- इन्हे भी 60 मिनट व 60 sec में उपविभाजित किया जा सकता है।

- किसी स्थान के समय को निर्धारित करती है।

Scanned By Scanner Go

Scanned By Scanner Go